Paper I – MODERN PROSE

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच अवतरणों की संदर्भ सहिअ व्याख्या कीजिए।

(a) यदि राम हमारे काम के हैं तो रावण भी हमारे काम का है। एक में हम अपने लिए प्रवृत्ति का क्रम पाते हैं, दूसरे में निवृत्ति का।

(b) ऐसे उत्साहवाले वीर को कर्मवीर कहना चाहिए या बुद्धि वीर – यह प्रश्न मुद्राराक्षस नाटक बहुत अच्छी तरह हमारे सामने रखता है।

(c) सौंदर्य का यह उद्‌घाठन असौंदर्य का आवरण हठाकर होता है, धर्म और मंगल की यह ज्योति अधर्म और अमंगल की घटा को फाडती हुई फूटती है।

(d) किसी देश का इतिहास पढ़ने से हम उस देश का केवल बाहरी हाल जान सकते हैं पर साहित्य के अनुशीलन से समय के आम्यन्तरिक भाव हमें परिस्फुठित हो सकते हैं।

(e) ऐसा कुत्सित मनुष्य मिलना कठिन होगा; जिस के अन्तर्जगत से पूर्णता की प्रत्येक रेखा मिट गई हो, सामंजस्य के आदर्श के सब रंग घुल गए हों।

(f) स्वर्गीय वस्तुएँ घरती से मिले बिना मनोहर नहीं होतीं।

(g) मृत्यु ही में जीवन की ऐसी मनोहर गंध छिपी हुई है, सहसा इस पर विश्वास नहीं होता।

(h) यही मैं भी सोच रहा है, मेरे संस्कारों में ऐसी क्या गडबडी थी, जो मेरा खून गरम नहीं हुआ।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

(a) श्रद्धा - भक्ति निबंध का सारांश लिखिए।

(b) अरविंद का चरित्र - चित्रण कीजिए।

(c) एकांकी कला के आधार पर 'अंधेर नगरी' का विश्लेषण कीजिए।

(d) मनोविज्ञान की कसौटी पर 'पत्नी' कहानी की आलोचना कीजिए।

(e) स्पष्ट कीजिए कि रमानाथ मध्यवर्ग का प्रतिनिधि पात्र है।

(f) जुलाई की शाम कहानी की आधुनिकता पर प्रकाश डालिए।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 1,200 शब्दों में दीजिए।

(a) काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था निबंध की आलोचना करते हुये उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(b) कफन कहानी में व्यक्त आलोचनात्मक यर्थाथवाद के बारे में लिखिए।

(c) गजाघरबाबू की वापसी 'पीढियों के अंतराल' का परिणाम है, इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(d) जालपा चरित्र के आधार पर नारी की गतिशीलता पर विचार कीजिए।

(e) आकाशदीप की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख कीजिए।

(f) एक और द्रोणाचार्य की प्रतीकात्मकता के बारे मं लिखिए।

(g) निबंध की परिभाषा देते हुए उसके गुणों पर विस्तार से लिखिए।

———————

Paper II – MODERN POETRY

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्ही पाँच अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(a) नयन तीर पर ही सरवी, तू करती यी खेद,
टपक उण है देख अब, रोम-रोम से स्वेद।

(b) देखा मनु ने वह अतिरंजित, विजन विश्व का नव एकांत,
जैसे कोलाहल सोया हो, हिम शीतल जडता सा श्रान्त।

(c) मानव नियति का संशय है
यदि सारे शुभाशुम
युद्धों से ही प्रतिपादित होते हैं
तब वे सत्य तो नहीं अन्तिम भी नहीं।

(d) शशि किरणों से उतर-उतर कर
भू पर कामरूप नभ पर
चूम नवल कलियों का मृदुमुख
सिखा रहे ये मुसकाना।